



DSSSB TGT

PART(B)



MATHS

ALGEBRA

Part -8



25/10/2024 08:00 AM



Introduction:-

In this Class-12, we will discuss the following Concepts

इस कक्षा-12 में, हम निम्नलिखित अवधारणाओं पर चर्चा करेंगे

> Linear Combination of vectors **वैक्टर का रैखिक संयोजन**

> Spanning set **स्पैनिंग सेट**

> Linear Span **रैखिक स्पैन**

> Finitely and Infinitely Generated Vector Space **परिमित और अनंत रूप से उत्पन्न वेक्टर स्पेस**

> Properties Or Theorems **गुण या प्रमेय**

> Next, we will discuss Class – 13 **इसके बाद, हम कक्षा -13 पर चर्चा करेंगे**

Linear combination of vectors


A vector $v \in V(F)$ is said to be a linear combination of the vectors $v_1, v_2, \dots, v_n \in V$ if v can be expressed as $v = a_1v_1 + a_2v_2 + \dots + a_nv_n$, where $a_1, a_2, \dots, a_n \in F$ are scalars.

एक सदिश $v \in V(F)$ को सदिशों $v_1, v_2, \dots, v_n \in V$ का रैखिक संयोजन कहा जाता है यदि v को $v = a_1v_1 + a_2v_2 + \dots + a_nv_n$ के रूप में व्यक्त किया जा सकता है, जहाँ $a_1, a_2, \dots, a_n \in F$ अदिश हैं।

Example-1

If $v_1 = (1,1,1)$, $v_2 = (1,0,1)$ and $v_3 = (1,0,0)$, then vector $v = (9,2,6)$ is a linear combination of the vectors v_1, v_2 and v_3 as v can be expressed as $v = 2v_1 + 4v_2 + 3v_3$

यदि $\underline{v_1} = (1,1,1)$, $\underline{v_2} = (1,0,1)$ और $\underline{v_3} = (1,0,0)$ है, तो सदिश $\underline{v} = (9,2,6)$ सदिश v_1, v_2 और v_3 का रैखिक संयोजन है क्योंकि v को $v = 2v_1 + 4v_2 + 3v_3$ के रूप में व्यक्त किया जा सकता है

$$(9,2,6) = (2,2,2) + (4,0,4) + (3,0,0)$$


Example-2

Zero vector 0 is always a linear combination of any finite number of vectors v_1, v_2, \dots, v_n , since $0 = 0v_1 + 0v_2 + \dots + 0v_n$

शून्य सदिश 0 हमेशा किसी भी परिमित संख्या में सदिशों v_1, v_2, \dots, v_n का रैखिक संयोजन होता है, क्योंकि $0 = 0v_1 + 0v_2 + \dots + 0v_n$

Spanning Set

Let $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ be a subset of a vector space $V(F)$, then set S is said to be spanning set (or generating set) for vector space $V(F)$ if every vector in V is a linear combination of the vectors in S .

मान लें $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ सदिश समष्टि $V(F)$ का एक उपसमुच्चय है, तो समुच्चय S को सदिश समष्टि $V(F)$ के लिए फैलाव समुच्चय (या जनरेटिंग समुच्चय) कहा जाता है यदि V में प्रत्येक सदिश S में सदिशों का एक रैखिक संयोजन है।



Note:- If S is spanning set for V , then we say that the vector space V is spanned by S or the set S spans V .

नोट:- यदि S , V के लिए फैला हुआ सेट है, तो हम कहते हैं कि सदिश समष्टि V , S द्वारा फैला हुआ है या सेट S , V को फैलाता है।

Example:-

$\{(1,0,0), (0,1,0), (0,0,1)\}$ is a spanning set for R^3 .

$\{(1,0,0), (0,1,0), (0,0,1)\}$ R^3 के लिए एक स्पैनिंग सेट है।

Because each vector $(x, y, z) \in R^3$ can be expressed as

क्योंकि प्रत्येक वेक्टर $(x, y, z) \in R^3$ को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है

$$(x, y, z) = x(1,0,0) + y(0,1,0) + z(0,0,1)$$

Linear Span

Let $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ be a non-empty subset of a vector space $V(F)$, then the set of all linear combinations of finite set of elements of S is called **Linear Span of S** . It is denoted by $L(S)$ or $\langle S \rangle$

मान लें $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ एक सदिश समष्टि $V(F)$ का एक रिक्त उपसमुच्चय है, तो S के तत्वों के परिमित समुच्चय के सभी रैखिक संयोजनों के समुच्चय को S का रैखिक फैलाव कहा जाता है। इसे $L(S)$ या $\langle S \rangle$ द्वारा दर्शाया जाता है

i.e. $L(S)$ or $\langle S \rangle = \langle v_1, v_2, \dots, v_n \rangle = \{ \sum_{i=1}^n a_i v_i \}$

Where $a_i \in F, v_i \in S$ and n is finite.

जहाँ $a_i \in F, v_i \in S$ तथा n परिमित है।

$$a_1 v_1 + a_2 v_2 + a_3 v_3 + \dots + a_n v_n$$

Finately and Infinitely Generated Vector Space

A vector space $V(F)$ is said to be finately generated vector space if there exists a finite subset S of V such that all the elements of V are generated by the elements of S .

एक सदिश समष्टि $V(F)$ को परिमित रूप से जनित सदिश समष्टि कहा जाता है यदि V का एक परिमित उपसमुच्चय S विद्यमान हो, जिससे कि V के सभी अवयव S के अवयवों द्वारा जनित हों।

i.e $V = L(S)$.

\downarrow
vector space

\swarrow
subset of vector space

For Example:-



R^n is a finitely generated vector space. Because it is generated by finite set $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$

R^n एक परिमित रूप से उत्पन्न सदिश स्थान है। क्योंकि यह परिमित सेट $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ द्वारा उत्पन्न होता है



If a vector space $V(F)$ can-not be generated by a finite number of vectors, then it is said to be infinitely generated vector space.

यदि एक सदिश समष्टि $V(F)$ को सदिशों की एक सीमित संख्या द्वारा उत्पन्न नहीं किया जा सकता है, तो इसे अनंत रूप से उत्पन्न सदिश समष्टि कहा जाता है।

For example:-

The vector space $P(R)$ of all polynomials in x over a field R is infinitely generated vector space because the set of infinite vectors $\{1, x, x^2, x^3, \dots, x^n, \dots\}$ generates $P(R)$ but there exists no finite set of vectors which can generate $P(R)$.

क्षेत्र R पर x में सभी बहुपदों का सदिश समष्टि $P(R)$ अनंत रूप से जनित सदिश समष्टि है क्योंकि अनंत सदिशों का समूह $\{1, x, x^2, x^3, \dots, x^n, \dots\}$ $P(R)$ उत्पन्न करता है लेकिन सदिशों का कोई परिमित समूह मौजूद नहीं है जो $P(R)$ उत्पन्न कर सके।



Properties OR Theorems

1. In a vector space V , $L(S)$ is the smallest subspace containing S .

सदिश समष्टि V में, $L(S)$ वह सबसे छोटा उपसमष्टि है जिसमें S है।

2. In a vector space $L(S) = S$ iff S is a subspace of V .

सदिश समष्टि में $L(S)=S$ यदि और केवल यदि S , V का उपसमष्टि है।

Results:-

1. If $S = \emptyset$ then $L(S) = \{0\}$
2. If $S_1 \subseteq S_2$, then $L(S_1) \subseteq L(S_2)$

Basis of a vector space

Let $V(F)$ be a vector space. A subset $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ of V is said to be a basis of V , if

मान लीजिए $V(F)$ एक सदिश समष्टि है। V का उपसमुच्चय $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ V का आधार कहलाता है, यदि

✓ 1. v_1, v_2, \dots, v_n are linearly independent vectors.

v_1, v_2, \dots, v_n रैखिक रूप से स्वतंत्र सदिश हैं।

2. v_1, v_2, \dots, v_n span V . i.e $V = L(S)$ i.e every vector of V is a linear combination of the vectors of S .

v_1, v_2, \dots, v_n V का विस्तार करते हैं। अर्थात् $V = L(S)$ अर्थात् V का प्रत्येक सदिश S के सदिशों का एक रैखिक संयोजन है।



Some Examples of Standard Basis

- ✓ 1. The vectors $(1,0)$ and $(0,1)$ form a basis for $R^2(R)$.
सदिश $(1,0)$ और $(0,1)$ $R^2(R)$ के लिए आधार बनाते हैं।
- ✓ 2. The vectors $(1,0,0)$, $(0,1,0)$ and $(0,0,1)$ form a basis for $R^3(R)$.
सदिश $(1,0,0)$, $(0,1,0)$ और $(0,0,1)$ $R^3(R)$ के लिए आधार बनाते हैं।
- ✓ 3. The vectors $(1,0, \dots, 0)$, $(0,1, \dots, 0)$, $\dots, (0,0, \dots, 1)$ form a basis for $R^n(R)$.
सदिश $(1,0, \dots, 0)$, $(0,1, \dots, 0)$, $\dots, (0,0, \dots, 1)$ $R^n(R)$ के लिए आधार बनाते हैं।
- ✓ 4. The set $\{1, i\}$ is a basis for $C(R)$.
सेट $\{1, i\}$ $C(R)$ के लिए आधार है।
- ✓ 5. The set $\{1\}$ is a basis for $R(R)$.
सेट $\{1\}$ $R(R)$ के लिए आधार है।

✓ 6. The vectors $(1,0,0)$, $(0,1,0)$, $(0,0,1)$, $(i,0,0)$, $(0,i,0)$ and $(0,0,i)$ form a basis for $C^3(R)$.

सदिश $(1,0,0)$, $(0,1,0)$, $(0,0,1)$, $(i,0,0)$, $(0,i,0)$ और $(0,0,i)$ $C^3(R)$ के लिए आधार बनाते हैं।

✓ 7. If $P_n(x)$ denotes the vector space of all polynomial of degree atmost 'n', then the set $\{1, x, x^2, \dots, x^n\}$ is a standard for $P_n(x)$.

यदि $P_n(x)$ अधिकतम 'n' घात वाले सभी बहुपदों के सदिश समष्टि को निरूपित करता है, तो समुच्चय $\{1, x, x^2, \dots, x^n\}$ $P_n(x)$ के लिए एक मानक है।

8. The set $\{1, x, x^2, x^3, x^4, x^5\}$ is a standard for $P_5(x)$.

समुच्चय $\{1, x, x^2, x^3, x^4, x^5\}$ $P_5(x)$ के लिए एक मानक है।

9. The set $\left\{ \begin{bmatrix} 1 & 0 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}, \begin{bmatrix} 0 & 1 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}, \begin{bmatrix} 0 & 0 \\ 1 & 0 \end{bmatrix}, \begin{bmatrix} 0 & 0 \\ 0 & 1 \end{bmatrix} \right\}$ is a basis for $M_{2 \times 2}(R)$.

समुच्चय $\left\{ \begin{bmatrix} 1 & 0 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}, \begin{bmatrix} 0 & 1 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}, \begin{bmatrix} 0 & 0 \\ 1 & 0 \end{bmatrix}, \begin{bmatrix} 0 & 0 \\ 0 & 1 \end{bmatrix} \right\}$ $M_{2 \times 2}(R)$ के लिए एक आधार है।



Results:-

1. The set \emptyset is a basis for $\{0\}$.

सेट \emptyset $\{0\}$ के लिए एक आधार है।

2. A basis of a vector space is a Linearly Independent set but a Linearly Independent set of vectors need not be a basis of V since these linearly independent vectors may not span V .

एक सदिश समष्टि का आधार एक रैखिक रूप से स्वतंत्र सेट होता है, लेकिन सदिशों के एक रैखिक रूप से स्वतंत्र सेट को V का आधार होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ये रैखिक रूप से स्वतंत्र सदिश V को नहीं फैला सकते हैं।

Properties OR Theorems on Basis

1. If $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ is a basis of $V(F)$, then every element of V can be uniquely expressed as a linear combination of v_1, v_2, \dots, v_n and conversely.

यदि $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ $V(F)$ का आधार है, तो V के प्रत्येक तत्व को v_1, v_2, \dots, v_n के रेखिक संयोजन के रूप में विशिष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है और इसके विपरीत।

2. If $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ spans a vector space $V(F)$, then there exists a subset of S which is a basis of V .

यदि $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ एक सदिश समष्टि $V(F)$ को फैलाता है, तो S का एक उपसमुच्चय मौजूद होता है जो V का आधार होता है।

3. If $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ spans $V(F)$, then any $n + 1$ vectors in V are linearly dependent.

यदि $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\} V(F)$ को फैलाता है, तो V में कोई भी $n+1$ सदिश रैखिक रूप से आश्रित होते हैं।

4. If $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ is linearly independent and $v \notin \langle S \rangle$, then the set $S \cup \{v\}$ is linearly independent.

यदि $S = \{v_1, v_2, \dots, v_n\}$ रैखिक रूप से स्वतंत्र है और $v \notin \langle S \rangle$ है, तो सेट $S \cup \{v\}$ रैखिक रूप से स्वतंत्र है।

5. If V is a finitely generated vector space, then any two bases of V have the same number of elements.

यदि V एक परिमित रूप से उत्पन्न सदिश समष्टि है, तो V के किसी भी दो आधारों में तत्वों की संख्या समान होती है।